Dr. Keerti Kumar
Asstt Prof. (Guest)

Deptt of Psychology,
S.R.A.P. College, Bara Chakia, East Chapara
(A Constituent Unit of B.R.A. Bihar University MFP)

Subject Psychology (Statistics)
Class B.A. Part II
Topic Mean (मध्यमान)
Day Three Day
Date 11/02/2023
Period 4th
Contact no - 9801466117

प्रश्न - मध्यांक से आप क्या समझते हैं? मध्यांक के गुण एवं दोषों का वर्णन करें?

उत्तर :- मध्यांक किसी समंक माला के मध्य वाले पद के मूल्य को कहते हैं। जबकि समंक श्रेणी के पदों को आरोही या अवरोही क्रम में व्यवस्थित कर लिया जाता है। मध्यांक समंकमाला को दो बराबर भागों में बांटती है। एक ओर मध्यांक से सब पद छोटे होते हैं और दूसरी ओर मध्यका से सब पद बड़े होते हैं। कोनर ने लिखा है मध्यका समंक श्रेणी का वह चल मूल्य है जो समूह को दो बराबर भागों में बांटता है कि एक भाग के सब मूल्य मध्यका से अधिक बड़े और दूसरे भाग के सारे मूल्य कम हों।

मध्यका के गुण :-

1. सरलता :- मध्यका को समझना और ज्ञात करना बहुत ही सरल है। इसका अर्थ जनसामान्य भी आसानी से समझ व ज्ञात कर लेते हैं।
2. निश्चितता व स्पष्टता :- मध्यका का निर्धारण प्रत्येक समंकमाला में निश्चितता के साथ किया जाता है।
3. बिन्दुरेखीय प्रदर्शन :- मध्यका को बिन्दुरेखीय रीति से भी मालूम किया जा सकता है।
4. सीमान्त पदों से प्रभावित नहीं :- मध्यका पर चरम या सिमान्त मूल्यों का प्रभाव नहीं पड़ता है।
5. गुणात्मक विशेषताओं का अध्ययन

Ajanta PRODUCTS Officer

— ऐसे तथ्यों का मध्य ज्ञात करने के लिए मध्यका सर्वोत्तम है जो प्रत्येक रूप से मान्य हो जैसे — बुद्धिमानी, स्वास्थ्य, दरिद्रता, ईमानदारी, पूर्वता आदि।

मध्यका का दोष :—

निर्धारण करने की कठिनाइयाँ :- मध्यका का मूल्य ज्ञात करने के लिए समूह के सभी पदों को आरोही या अवरोही क्रम में रखना पड़ता है। जिसमें काफी समय लगता है और असुविधा भी होती है।

2. समूह के पूर्ण प्रतिनिधित्व का अभाव :- मध्यका ऐसे समूह को केन्द्रीय प्रवृत्ति का उचित रूप प्रतिनिधित्व नहीं करता जिसके विभिन्न पदों के मूल्यों में काफी अन्तर होता है या आवृत्तियाँ अनियमित होती हैं।

3. सीमान्त पदों की पूर्ण उपेक्षा :- मध्यका में सीमान्त मूल्यों का दृष्टि में नहीं रखा जाता। अतः जहाँ इन मूल्यों को भार देना होता है वहाँ पर यह अनुपयुक्त होता है।

4. निर्देशन के परिवर्तन से प्रभावित :- मध्यका पर निर्देशन के परिवर्तनों का अधिक प्रभाव पड़ता है।

5. अंकगणितीय व बीजगणितीय विवेचन का अभाव :- मध्यका के अंकगणितीय व बीजगणितीय गुणों का अभाव है। मध्यका मूल्य और पदों की संख्या को गुणा करने से सभी पदों के मूल्यों का जोड़ ज्ञात नहीं हो सकता है।

मध्यका का उपयोग :—

मध्यका का उपयोग गुणात्मक तथ्यों — यथा, स्वास्थ्य, बुद्धिमानी, जिन्हें परिमाण से व्यक्त नहीं किया जा सकता है। के अध्ययन के लिए उपयोगी है, इस कारण इसका उपयोग अनेक सामाजिक समस्याओं जैसे मजदूरी, धन का वितरण आदि का अध्ययन करने के लिए किया जाता है।